दादी जादूगरनी
टोमी डी-पाओला
DE PAOLA

दादी जादूगरनी

टोमी डी-पाओला

कालाब्रिया के एक कस्बे में, बहुत समय पहले, एक बूढ़ी औरत रहती थी, जिसे सभी लोग स्ट्रेगा नोना कहते थे, जिसका अर्थ था "दादी जादूगरनी."

हालाँकि शहर के सभी लोग उससे डरते थे और फुसफुसाते हुए उसके बारे में बात करते थे, लेकिन अगर उन्हें कोई परेशानी होती तो वे सभी दादी जादूगरनी से मिलने जाते थे. यहां तक कि पुजारी और कॉन्वेंट की सिस्टर्स भी उनके पास जाती थीं क्योंकि दादी एक पहुंची हुई जादूगरनी थीं.

वो तेल, पानी और एक हेयर-पिन की मदद से सिरदर्द का इलाज कर सकती थीं.

जो लड़कियां पति चाहती थीं उनके लिए उन्होंने एक विशेष औषधि बनाई थी.

और वह मस्सों से छुटकारा दिलाने में माहिर थीं.

लेकिन दादी अब बूढ़ी हो रही थीं, और उन्हें अपने छोटे से घर और बगीचे की रख-रखाव के लिए किसी मदद की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने शहर के चौक में एक साईन-बोर्ड लगाया.
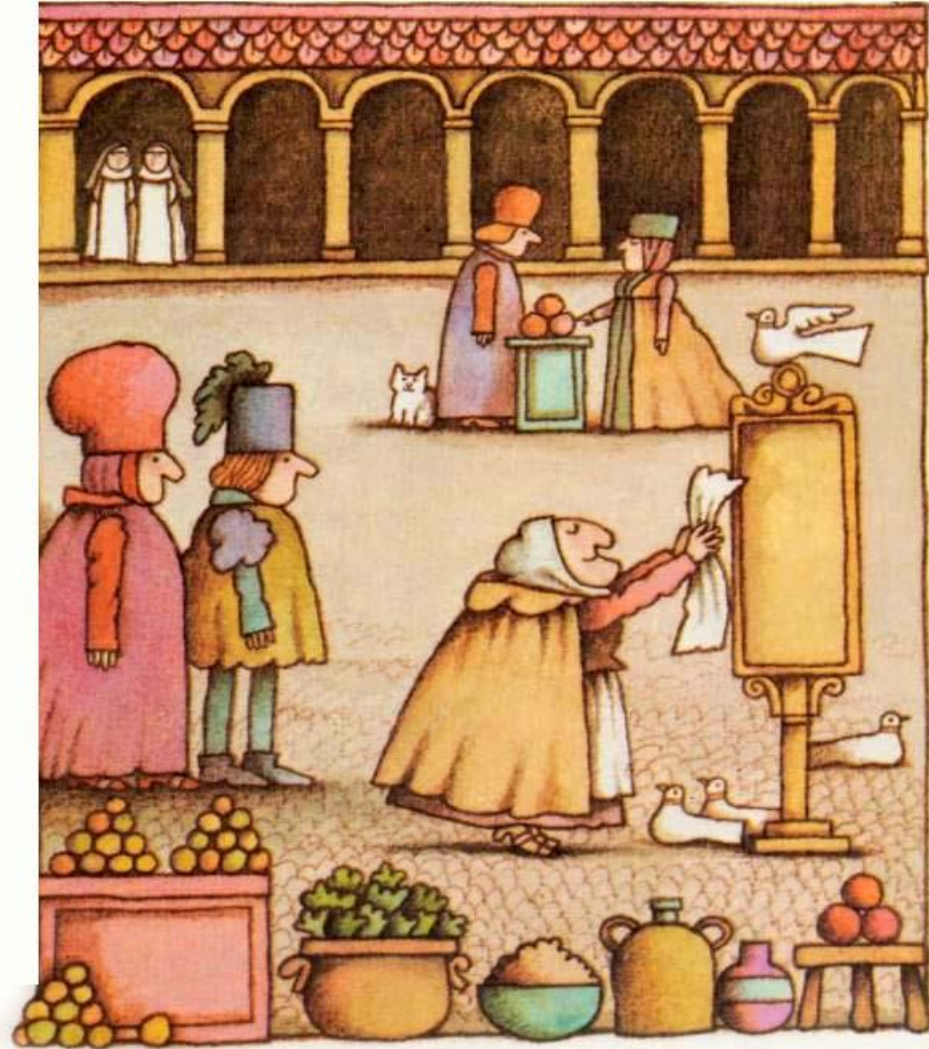
फिर बिग एंथोनी, जो कभी किसी चीज़ पर ध्यान नहीं देता था दादी जादूगरनी से मिलने गया.

"एंथोनी," दादी ने कहा, "तुम्हें घर में झाड़ू लगानी होगी और बर्तन धोने होंगे. तुम्हें बगीचे की घास काटनी होगी और सब्जियां तोड़नी होंगी. तुम्हें बकरी को खिलाना होगा और उसका दूध दूना होगा. साथ में तुम्हें पानी भी भरना होगा. इसके लिए मैं तुम्हें तीन सिक्कों के साथ सोने की जगह और खाना दूँगी."

"आपकी बड़ी मेहरबानी," बिग एंथोनी ने कहा.

"एक चीज जो तुम भूल के कभी नहीं करना." दादी जादूगरनी ने कहा, "वो है मेरे पास्ता के बर्तन को छूना. वो बर्तन बहुत कीमती है और मैं उसे किसी को छूने नहीं देती हूँ!"

"ठीक है," बिग एंथोनी ने कहा.

और इस प्रकार दिन बीतते गए. बिग एंथोनी अपना काम करता रहा और दादी जादूगरनी उन लोगों से मिलती रहीं जो सिरदर्द, पति की खोज करने और अपने मस्सों का इलाज कराने के लिए उनके पास आते थे.

बिग एंथोनी के पास बकरी के शेड के बगल में ही सोने के लिए एक अच्छा बिस्तर था, और उसे पेटभर खाना मिलता था.

एक शाम जब बिग एंथोनी बकरी दुह रहा था, तो उसने दादी को गाते हुए सुना. जब उसने खिड़की से झाँका, तो उसने दादी को पास्ता के बर्तन के ऊपर खड़ा हुआ देखा.

दादी गा रही थीं:
बुलबुले, बुलबुले, पास्ता बर्तन.
मेरे लिए कुछ पास्ता उबाल, अच्छा और गर्म.
मुझे भूख लगी है और यह खाने का समय है.
पेट भरने के लिए पर्याप्त पास्ता उबाल.

फिर पास्ता बर्तन में उबाल आया और उबाल आया और फिर बर्तन अचानक गरमा-गरम पास्ता से भर गया.

फिर दादी ने गाया,
काफी हो गया पास्ता बर्तन,
मेरे पास काफी पास्ता है, अच्छा और गर्म.
इसलिए अब ठंडा हो जा पास्ता बर्तन,
जब तक मुझे फिर से भूख न लगे.

"क्या खूब बर्तन है!" बिग एंथोनी ने कहा. "वो निश्चित रूप से कोई जादुई बर्तन होगा!"

फिर दादी जादूगरनी ने रात के खाने के लिए बिग एंथोनी को बुलाया.

लेकिन बिग एंथोनी के साथ एक हादसा हुआ - उसने दादी जादूगरनी को जादुई पास्ता बर्तन को तीन बार पुच्ची देते हुए नहीं देखा.

और उसके बाद यह हुआ.

अगले दिन जब बिग एंथोनी शहर के चौराहे पर पानी लाने गया, तो उसने सभी लोगों को उस जादुई पास्ता बर्तन के बारे में बताया. और स्वाभाविक रूप से सभी लोग उस पर हँसे. क्योंकि वो बहुत मूर्खतापूर्ण बात थी - एक ऐसा बर्तन जो खुद अपने आप खाना पका सके.

"बेहतर होगा कि तुम पुजारी के पास जाओ और उसके सामने अपने झूठ को कबूल करके माफ़ी मांगो, बिग एंथोनी," उन्होंने कहा.

"इतना बड़ा झूठ!" उससे बिग एंथोनी को बहुत गुस्सा आया. उसे लोगों की बातें अच्छी नहीं लगीं.

"मैं उन्हें दिखाऊंगा!" बिग एंथोनी ने खुद से कहा. "किसी दिन मैं वो पास्ता बर्तन लाऊंगा और उन्हें उसमें खाना पकाकर दिखाऊँगा! और फिर उन्हें अपने कहे पर खेद होगा."
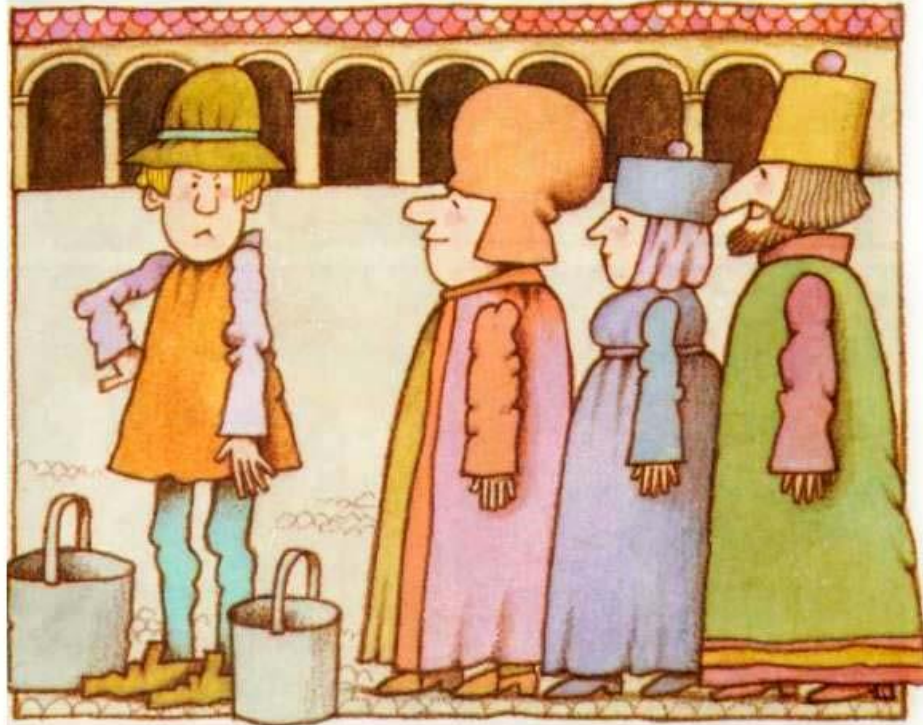
बिग एंथोनी ने जो सोचा था, वो दिन जल्दी ही आ गया. क्योंकि दो दिन बाद ही दादी जादूगरनी ने बिग एंथोनी से कहा, "एंथोनी, मुझे अपनी दोस्त, स्ट्रेगा अमेलिया से मिलने के लिए पहाड़ के पार वाले शहर में जाना है. तुम घर में झाड़ू लगाना और खरपतवार बीनना. बकरी को खिलाना और उसका दूध दूना. देखो, तुम्हारे दोपहर के भोजन के लिए, अलमारी में कुछ रोटी और पनीर रखा है. और ध्यान रखना मेरे पास्ता वाले बर्तन को भूलकर भी मत छूना."

"ठीक है, दादी," बिग एंथोनी ने कहा. लेकिन अंदर-ही-अंदर वो इस मौके का फायदा उठाना चाहता था!

जैसे ही दादी नज़रों से ओझल हुई बिग एंथोनी अंदर किचन में गया. उसने पास्ता के बर्तन को शेल्फ से उतारकर नीचे फर्श पर रखा.

"अब, देखता हूँ कि क्या मुझे वो शब्द याद हैं," बिग एंथोनी ने कहा.
फिर बिग एंथोनी ने गाया:
बुलबुले, बुलबुले, पास्ता बर्तन.
मेरे लिए कुछ पास्ता उबाल, अच्छा और गर्म.
मुझे भूख लगी है और यह खाने का समय है.
पेट भरने के लिए पर्याप्त पास्ता उबाल.
फिर निश्चित रूप से पास्ता बर्तन में उबाल आया और तुरंत बर्तन गरमा-गरम पास्ता से भर गया.
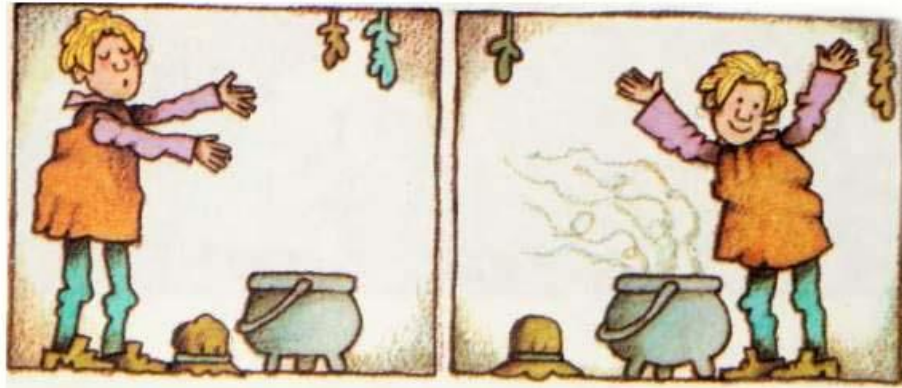
"अरे वाह!" बिग एंथोनी ने कहा, और फिर वो शहर के चौराहे पर दौड़ा हुआ गया. वो फव्वारे पर चढ़कर चिल्लाया, "सभी लोग अपनी-अपनी प्लेट और थाली लाओ. सभी लोग दादी जादूगरनी के घर का बना पास्ता खाने आओ. बिग एंथोनी ने दादी जादूगरनी के जादू पास्ता बर्तन को चालू किया है."

हर कोई हँसा, लेकिन लोग प्लेट और थाली लाने के लिए अपने-अपने घर भागे, और निश्चित रूप से, जब वे जादूगरनी दादी के घर पहुंचे तो पास्ता का बर्तन लबालब भरा हुआ था कि उसके ऊपर से पास्ता गिर रहा था.

लोगों के बीच बिग एंथोनी अब एक हीरो था!
उसने पास्ते से लोगों की प्लेट, थाली और कटोरियां भर दीं.

कॉन्वेंट के पुजारी और सिस्टर्स सहित सभी नगरवासियों के लिए पर्याप्त से अधिक पास्ता था.

और कुछ लोग तो दो और तीन बार पास्ता खाने वापस आए, लेकिन पास्ते वाला बर्तन कभी खाली नहीं हुआ.

जब सबका पेट भर गया, तब बिग एंथोनी ने गाया:
काफी हो गया पास्ता बर्तन,
मेरे पास काफी पास्ता है, अच्छा और गर्म.
इसलिए अब ठंडा हो जा, पास्ता बर्तन,
जब तक मुझे फिर से भूख न लगे.
परन्तु बिग एंथोनी ने बर्तन को तीन पुच्चियाँ नहीं दीं.

भीड़ ने तालियों से बिग एंथोनी का जय-जयकार की. बिग एंथोनी ने उनके अभिवादन को स्वीकारा.

बिग एंथोनी अपनी तारीफ सुनने में इतना व्यस्त था कि उसका ध्यान इस बात पर नहीं गया कि पास्ता बर्तन अभी भी बुदबुदा और उबल रहा था. तभी कॉन्वेंट की एक सिस्टर ने कहा, "अरे, बिग एंथोनी, ज़रा देखो!"

अब दादी जादूगरनी के घर पर बर्तन से पास्ता निकलकर फर्श पर बह रहा था और दरवाजे से बाहर निकल रहा था!

बिग एंथोनी दौड़ा और फिर से जादुई गीत दोहराया. लेकिन बर्तन से पास्ता निकलता ही रहा.

फिर बिग एंथोनी ने ढक्कन को बर्तन पर ढंका और फिर वो खुद उसके ऊपर बैठ गया.

उसने बर्तन को फर्श से हटाया, लेकिन उसमें से पास्ता बहता ही रहा.

लेकिन उफनते पास्ता ने ढक्कन को ऊपर उठा दिया, जिससे बिग एंथोनी, दादी जादूगरनी के घर के फर्श पर गिर पड़ा.

"बंद करो!" बिग एंथोनी चिल्लाया.

लेकिन पास्ता का बहना नहीं रुका और अगर तभी किसी ने बेचारे बिग एंथोनी को नहीं पकड़ा होता, तो पास्ता ने उसे ढक दिया होता. अब घर से पूरी तरह से पास्ता से भर गया था.

खिड़कियों से और दरवाजों में से अब पास्ता बाहर निकल रहा था. पर जादुई बर्तन फिर भी बुदबुदाए जा रहा था.

उससे अब नगरवासी भी परेशान होने लगे.

"कुछ करो, बिग एंथोनी," वे चिल्लाए.

बिग एंथोनी ने फिर से जादू का गीत गाया लेकिन तीन पुच्चियों के बिना उसके जादू ने काम नहीं किया! तब तक पास्ता उतरकर सड़क पर पहुँच चुका था और सभी लोग उससे बचने के लिए दौड़ रहे थे.

"हमें अपने शहर को पास्ता से बचाना चाहिए," मेयर चिल्लाया.
"गद्दे, टेबल, दरवाज़ों की एक दीवार बनाओ और पास्ता को बहने से रोको."

लेकिन उससे भी काम नहीं बना. बर्तन लगातार
बुदबुदाता रहा और उसमें से लगातार पास्ता बहता रहा!

"हम सभी उसमें डूब जायेंगे," लोगों ने कहा, और फिर पुजारी और कॉन्वेंट की सिस्टर्स ने प्रार्थना शुरू की. "भगवान हमारे शहर को पास्ता में डूबने से बचाओ," वे रोए.

और शायद शहर निश्चित रूप से पास्ता में डूब जाता अगर उसी समय दादी जादूगरनी अपनी यात्रा से वापिस नहीं लौटी होतीं.

जो कुछ हुआ था उसे समझने में उन्हें ज़्यादा समय नहीं लगा.

दादी जादूगरनी ने जादू का गीत गाया और फिर तीन बार पुच्चियाँ दीं. फिर तुरंत बर्तन का उबलना बंद हो गया और पास्ता का बहना रुक गया.
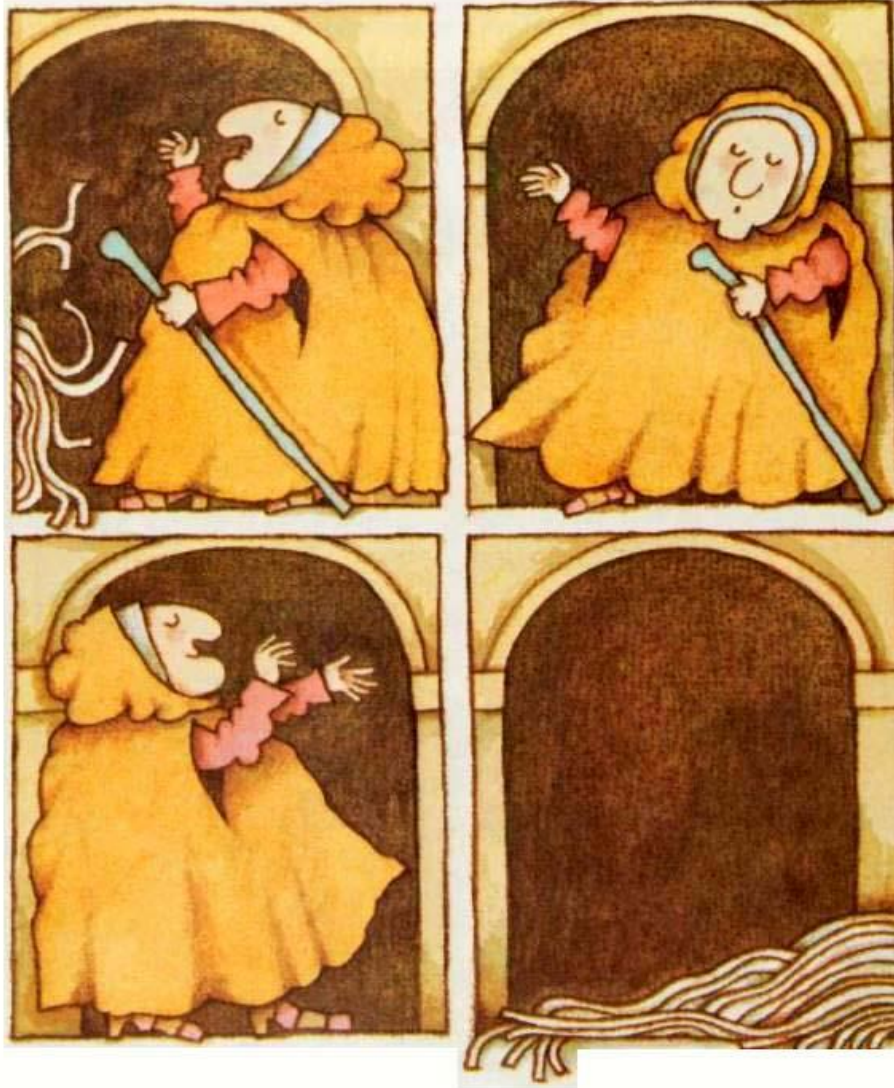
"आपका तहे दिल से धन्यवाद जादूगरनी दादी," लोग ख़ुशी से चिल्लाए.

लेकिन फिर उन्होंने बेचारे बिग एंथोनी की ओर गुस्से से देखा और नगर के लोग चिल्लाए, "उसे गिरफ्तार करो."

"आप लोग कुछ इंतज़ार करें," जादूगरनी दादी ने कहा. "देखो, दंड भी अपराध के मुताबिक ही होना चाहिए." और फिर जादूगरनी दादी ने पास में खड़ी एक महिला से एक कांटा लिया और उन्होंने उसे बिग एंथोनी को पास्ता खाने के लिए दिया.

"ठीक है, एंथोनी, तुम मेरे जादुई बर्तन का पास्ता खाना चाहते थे," जादूगरनी दादी ने कहा. "इसलिए अगर आज रात तुम मेरे घर के बिस्तर पर सोना चाहते हो तो तुरंत पास्ता खाना शुरू करो."
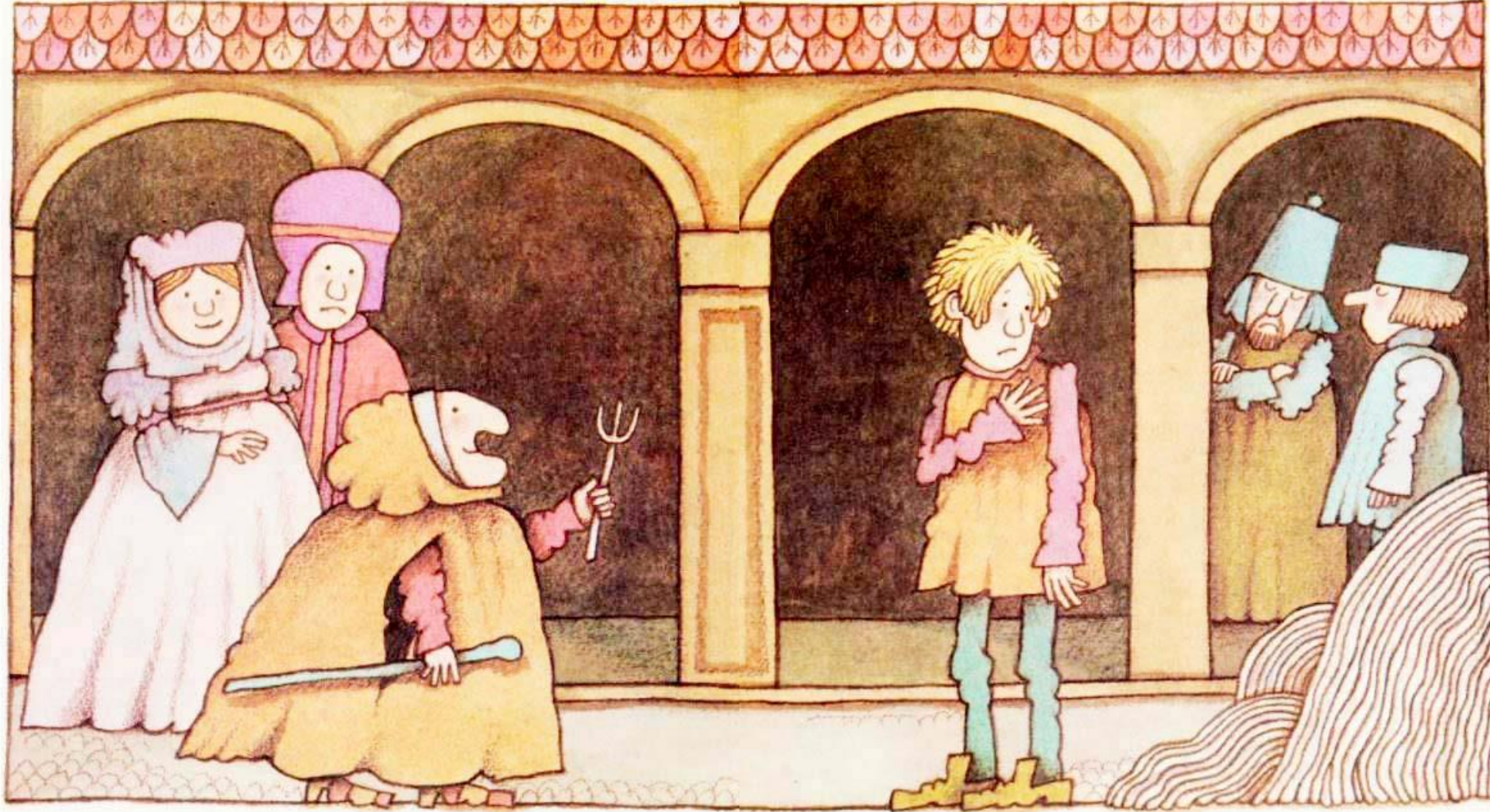
और फिर बेचार बिग एंथोनी ने पास्ता खाया.

समाप्त